



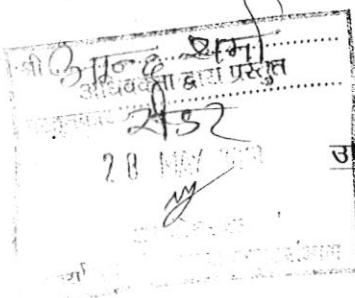
(2)

(1)

समक्ष न्यायायल श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर, मोप्र०

प्रक्रम ३७९९ / २०१८ / अ०४५२ पुनरीक्षण याचिका क्रमांक / २०१८

596



उत्तरार्थीगण

बबलू उर्फ इन्द्रपाल सिंह आ० सुदेश पाल, सोनपाली, उम्र लगभग 42 वर्ष, निवासी-वार्ड नं.4, डिण्डौरी तहसील एवं जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

विरुद्ध

1. सुदेशपाल सोनपाली, पिता रव. बालमुकुन्द सोनपाली, आयु 75 वर्ष, निवासी- ग्राम बटौधा, तहसील व जिला डिण्डौरी (म.प्र.)
2. अनंतराम सोनपाली, पिता रव. बालमुकुन्द सोनपाली, आयु 69 वर्ष, निवासी- अवधपुरी कॉलोनी, ग्वारीघाट, जबलपुर (म.प्र.)
3. नंदलाल सोनपाली, पिता रव. बालमुकुन्द सोनपाली, आयु 66 वर्ष, निवासी- वार्ड नं. 05, डिण्डौरी, तहसील व जिला डिण्डौरी (म.प्र.)
4. नितिन सोनपाली, पिता रव. कमलेश सोनपाली, आयु 29 वर्ष, निवासी-हाथीताल, जबलपुर तहसील व जिला जबलपुर (म.प्र.)
5. श्रीमती प्रभा सिंह पुत्री रव. श्री बालमुकुन्द सोनपाली पति रव. श्री दिगम्बर सिंह आयु 70 वर्ष, निवासी- साकेत नगर, भोपाल जिला भोपाल (म.प्र.)
6. श्रीमती चंचल वर्मा, पुत्री रव. श्री बालमुकुन्द सोनपाली, पति श्री त्रिलोकीनाथ वर्मा, आयु 64 वर्ष, निवासी-फ्लैट नं.सी -302, संतुष्टि अपार्टमेंट विवेकानन्द मार्ग, लखनऊ (म.प्र.)
7. श्रीमती सुनीता वर्मा, पुत्री रव. श्री बालमुकुन्द पति श्री रामकुमार वर्मा, आयु 52 वर्ष, निवासी- 69, गगन विहार, नई दिल्ली



27 MAY 2018

(2)

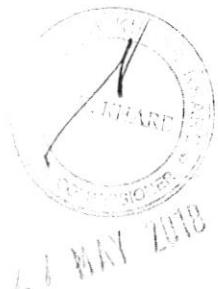
पुनरीक्षण याचिका अंतर्गत धारा 50 मोप्र० भू-राजस्व संहिता

पुनरीक्षणकर्ता माननीय न्यायालय से सविनय निवेदन करता है कि :-

यह कि, वर्तमान पुनरीक्षण याचिका विद्वान तहसीलदार महोदय डिण्डौरी जिला डिण्डौरी द्वारा प्रकरण क्र.004(आर-6)/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 03.05.2018 के विरुद्ध निम्न तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत की जा रही है:-

अपील के तथ्य

1. यह कि, उत्तरार्थीगणों द्वारा एक आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता के अन्तर्गत श्रीमान तहसीलदार महोदय डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के समक्ष संपत्ति खसरा नं.57 रकवा 0.462 हैक्ट. भूमि पर नामांतरण करवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया।
2. यह कि, उपरोक्त प्रकरण में पुनरीक्षणकर्ता द्वारा एक आपत्ति प्रस्तुत की गई तथा यह निवेदन किया गया कि उपरोक्त संपत्ति के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष प्रथम अपील क्र.446/2006 विचाराधीन है तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा उक्त भूमि के संबंध में दिनांक 25.8.2006 को यथास्थिति का आदेश एवं दिनांक 7.5.2007 को उपरोक्त संपत्ति के विक्रय पर रोक लगाने का आदेश पारित किया गया है। उपरोक्त आपत्ति के साथ पुनरीक्षणकर्ता/आपत्तिकर्ता द्वारा उपरोक्त आदेशों की प्रति भी विद्वान अधीनरथ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की।
3. यह कि, यहाँ पर यह उल्लेखनीय है कि आपत्तिकर्ता द्वारा उपरोक्त आपत्ति के पश्चात् एक आवेदन पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 व्य.प्र.संहिता भी प्रस्तुत किया गया था। विद्वान अधीनरथ न्यायालय द्वारा उपरोक्त आवेदन को प्रस्तुति के समय ही यह कहकर अमान्य कर दिया कि आपत्तिकर्ता (पुनरीक्षणकर्ता) द्वारा पूर्व में ही आपत्ति पेश कर दी गई। आपत्तिकर्ता द्वारा प्रकरण को लंबित करने की दृष्टि से बार-बार आपत्ति प्रस्तुत की जा रही है तथा उपरोक्त अवलोकन करते हुये आपत्तिकर्ता/पुनरीक्षणकर्ता की आपत्ति अमान्य कर दी तथा उसके द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त आवेदन पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 के व्य.प्र.सं. की मूल प्रति ही आपत्तिकर्ता/पुनरीक्षणकर्ता को लौटा दी। विद्वान अधीनरथ न्यायालय द्वारा उपरोक्त आवेदन पत्र अमान्य किया जाना एवं न्यायालय की प्रति ही पुनरीक्षणकर्ता को लौटा देना विधि की दृष्टि में पोषणीय नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि विद्वान अधीनरथ



✓

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—गवालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग—अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी—3799 / 2018 / डिंडोरी / भूरा०

स्थान दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

10/8/18

यह निगरानी तहसीलदार डिंडोरी व्यारा प्रकरण क्रमांक 4 अ—6/2016—17 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 3—5—2018 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है। निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदक के अभिभाषक को सुना गया।

2/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों पर विचार करने एंव प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि महिला लीलावती पत्नि स्व. बालमुकुन्द के स्वर्गवास होने के कारण उनके व्यारा की ग्राम डिंडोरी की भूमि खसरा नंबर 57 पर नामान्तरण का प्रकरण तहसील न्यायालय में उभय पक्ष के बीच प्रचलित है, जिसमें आवेदक ने नामान्तरण न किये जाने पर आपत्ति दर्ज कराई है कि माननीय उच्च न्यायालय से वाद विचारित भूमि के संबंध में दिनांक 25—8—2006 से यथास्थिति बनाये रखने के आदेश होने के कारण नामान्तरण कार्यवाही रोक दी जावे। तहसीलदार ने दोनों पक्षों को सुनकर अंतरिम आदेश दिनांक 3—5—18 से निर्णीत किया है कि :—

“ माननीय उच्च न्यायालय व्यारा ग्राम डिंडोरी स्थित भूमि ख.नं. 57 रकबा 0.462 है। पर नामान्तरण पर कोई स्थगन जारी नहीं किया है। भूमि ख.नं. 57 रकबा 0.462 है, की भूमिस्वामी लीलावती पत्नि बालमुकुन्द की मृत्यु हो गई है। ऐसी दशा में राजस्व रिकार्ड का शुद्धिकरण का दायित्व राजस्व अधिकारियों का है। मृत भूमिस्वामी के स्थान पर उसके विधिक वारिसनों का नाम दर्ज करने की प्रक्रिया राजस्व रिकार्ड को शुद्ध रखने की प्रक्रिया है। ”

यदि आवेदक वाद विचारित भूमि में स्वयं का स्वत्व एंव स्वामित्व चाहता

है वह तहसीलदार के समक्ष स्वयं का पक्ष रखने हेतु स्वतंत्र है।
तहसीलदार डिंडोरी द्वारा अंतरिम आदेश दिनांक 3-5-18 में लिया
गया निर्णय उचित प्रतीत होता है जिसमें किसी प्रकार की कमवेशी
दृष्टिगत न होने से निगरानी सारहीन है।

3/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन होने से
निरस्त की जाती है एंव तहसीलदार डिंडोरी द्वारा प्रकरण कमांक
4 अ-6/2016-17 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 3-5-2018
उचित होने से यथावत् रखा जाता है।



स्वस्य